ई संदेश

23 जुलाई, 2026 | अंक - 215

सात दिन, सात पृष्ठ

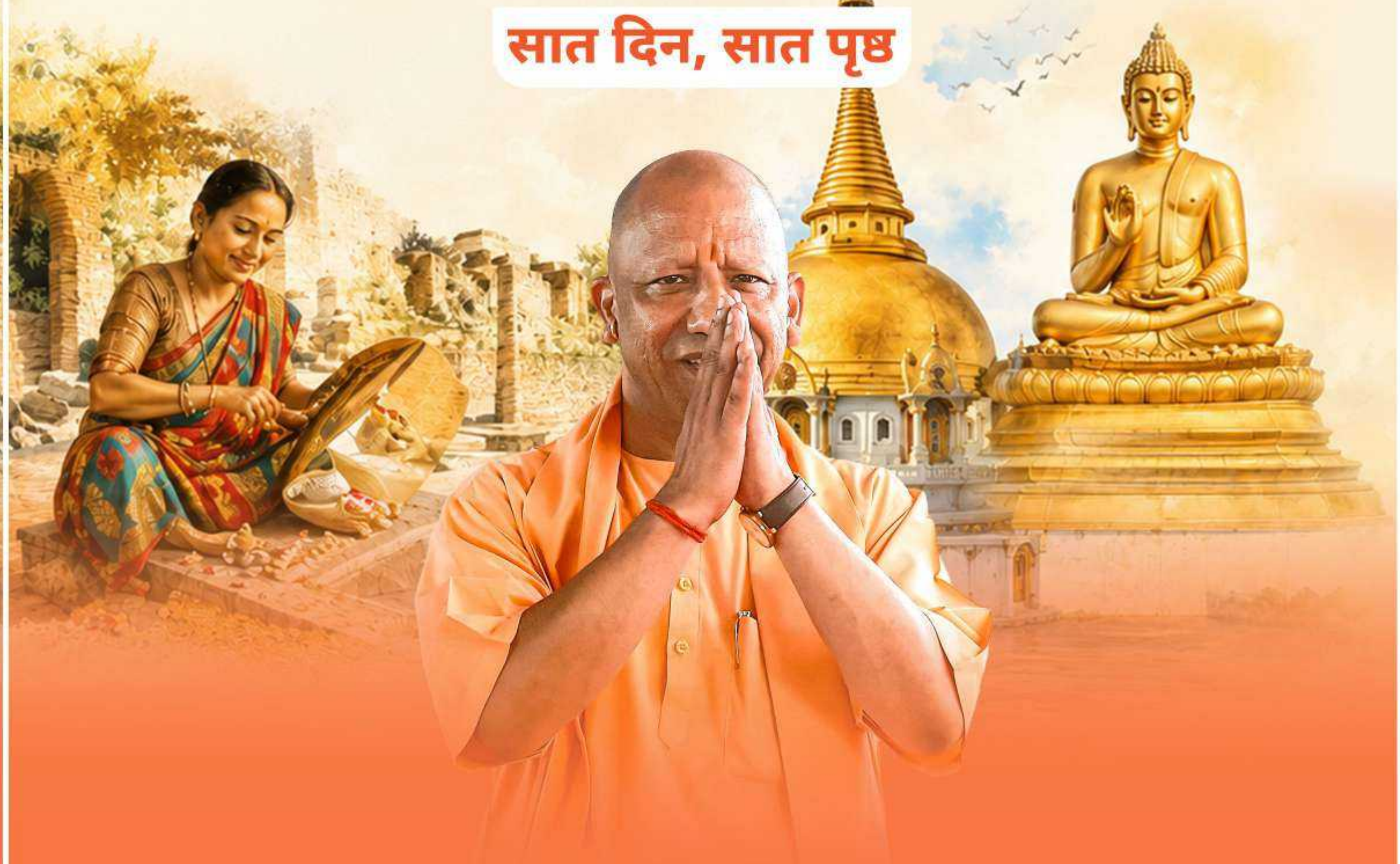

- उत्तर प्रदेश बनेगा रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस का वैश्विक केंद्र
- बिजनौर में विकास की अविरल गंगा: 1003 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास
- शामली बनेगा एक्सप्रेस-वे हब: मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में 581 करोड़ की परियोजनाओं से विकास को मिली नई गति
- गाजियाबाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का ग्रोथ इंजन: 868 करोड़ की परियोजनाओं से विकास और सुशासन को मिली नई गति
- राष्ट्र निर्माण का मूल आधार हैं सैनिक स्कूल और आत्मअनुशासन : मुख्यमंत्री
- 574 करोड़ की परियोजनाओं से बुलंदशहर के विकास को मिली नई उड़ान
- सुशासन और सुरक्षा से बदल रही सम्भल की तस्वीर,तेज गति से हो रहा तीर्थों का विकास
- विकास और सुशासन से नई ऊंचाइयां छू रहा अमरोहा: मुख्यमंत्री
- सतर्कता और अत्याधुनिक तकनीक से आपदा प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा: मुख्यमंत्री
- बाराबंकी को 542 करोड़ की सौगात, टॉप-3 अर्थव्यवस्था की ओर यूपी: मुख्यमंत्री
- उद्योग, निवेश और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है बहराइच
- कनेक्टिविटी और सुशासन से बदल रही श्रावस्ती की तस्वीर
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 21 जुलाई, 2026 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश बनेगा रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस का वैश्विक केंद्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 16 जुलाई, 2026 को सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश को रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग तथा सेमीकण्डक्टर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य को नई तकनीकों का केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार और उच्च प्रौद्योगिकी आधारित विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने नोएडा में 75 एकड़ में विकसित होने वाली भारत की पहली एकीकृत 'प्रगति' (पार्क फॉर रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, जीपीयू क्लस्टर्स एंड एडवांस्ड टेक्निकल इनोवेशन) परियोजना के माध्यम से विश्वस्तरीय विनिर्माण अवसंरचना और मजबूत डीप टेक ईकोसिस्टम तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्योग, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप और निवेशकों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर बल दिया, जिससे नई तकनीकें तेजी से प्रयोगशाला से उद्योग तक पहुंचें और प्रदेश के युवाओं के लिए एक लाख से अधिक रोजगार सृजित हों।

मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ और नोएडा में स्थापित किए जा रहे 'यू हब' को केवल स्टार्टअप कार्यस्थल के बजाय अनुसंधान, नवाचार, उद्योग और प्रतिभाओं को जोड़ने वाले विश्वस्तरीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि इस सशक्त मंच का संचालन पूरी तरह पेशेवर, परिणामोन्मुख और वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप विश्वस्तरीय कौशल व प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी नीति को अधिक व्यावहारिक और निवेशक अनुकूल बनाते हुए आईटी उद्योग का विस्तार गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद से आगे बढ़ाकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तक किया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश वैश्विक डिजिटल निवेश का पसंदीदा गंतव्य बने।

बिजनौर में विकास की अविरल गंगा: 1003 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 जुलाई, 2026 को जनपद बिजनौर के विकास को नई गति देते हुए बिजनौर एवं चाँदपुर विधानसभा क्षेत्रों की 1003 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 76 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने जनहित, सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के संकल्प को दोहराते हुए डबल इंजन सरकार की 'चरैवेति-चरैवेति' विकास नीति से जनता को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश के प्रत्येक गांव तक सुदृढ़ कनेक्टिविटी पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मुरादाबाद मंडल की समीक्षा के अनुरूप स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सड़क, पुल और फ्लाई ओवर निर्माण के सभी आवश्यक प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करने का आह्वान किया, ताकि उनकी शत-प्रतिशत स्वीकृति सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही, बिजनौर में नये फ्लाई ओवर के निर्माण हेतु तत्काल प्रस्ताव लेकर कार्यवाही आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करते हुए गन्ने का समर्थन मूल्य 400 रुपये प्रति कुन्तल किए जाने और समयबद्ध भुगतान की व्यवस्था को मजबूती से लागू रखा। उन्होंने विकासखण्ड शिवहरा में मिनी स्टेडियम के निर्माण और गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे पर गंगा बैराज पर पुल निर्माण की तैयारियों को शीघ्र पूरा करने की दिशा तय की।

युवाओं और महिलाओं के स्वावलंबन पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बिजनौर के नवनिर्मित नर्सिंग कॉलेज और छात्रावास के माध्यम से बेटियों के शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी सुनिश्चित की। साथ ही, विदुर प्रेरणा स्वदेशी ब्रांड को आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का मजबूत प्रतीक बताते हुए महिला स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल माध्यमों से बाजार तक पहुंच आसान बनाने का प्रोत्साहन दिया।

सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में उचित दर दुकानों (फेयर प्राइस शॉप) से वितरित हो रहे राशन की लखनऊ स्थित केंद्रीय कमांड सेंटर से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और घटतौली पर त्वरित कार्रवाई की डिजिटल व्यवस्था को और अधिक सशक्त किया गया है। डबल इंजन सरकार के इन दूरदर्शी प्रयासों से बिजनौर सहित सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश बॉटम थ्री से टॉप थ्री राज्यों की श्रेणी में अपनी ऐतिहासिक यात्रा तय कर चुका है।

शामली बनेगा एक्सप्रेस-वे हब: मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में 581 करोड़ की परियोजनाओं से विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 जुलाई, 2026 को जनपद शामली के कैराना, शामली एवं थानाभवन विधानसभा क्षेत्रों को 581 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 89 विकास परियोजनाओं की ऐतिहासिक सौगात दी। मुख्यमंत्री जी ने कैराना में निर्माणाधीन पीएसी परिसर का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को पूरी गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ तेजी से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को कड़ाई से लागू रखते हुए शामली और कैराना से भय, दहशत और पलायन के युग को पूरी तरह समाप्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डबल इंजन सरकार के निर्णयों से आज बहन-बेटियां निडर होकर विद्यालय जा रही हैं और व्यापारी सुरक्षित माहौल में अपना कार्य कर रहे हैं। राज्य का पहला एकीकृत निजी टेक्सटाइल पार्क शामली में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करते हुए उन्होंने लगभग आठ हजार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सुनिश्चित किए।उन्होंने बताया कि प्रदेश का पहला एकीकृत निजी टेक्सटाइल पार्क भी यहीं स्थापित होने जा रहा है, जिससे लगभग 8,000 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा।

अन्नदाता किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में 122 चीनी मिलों का निरंतर संचालन और 400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना मूल्य का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित कराया। उन्होंने शामली को केवल गन्ने की मिठास तक सीमित न रखकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति का प्रमुख केंद्र बनाने और दिल्ली-देहरादून, शामली-अंबाला व गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे के महत्वपूर्ण संगम (हब) के रूप में विकसित करने की दिशा तय की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में लगभग 750 किलोमीटर लम्बे गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर शामली को गोरखपुर तथा पूर्वोत्तर भारत के सिलीगुड़ी क्षेत्र से जोड़ेगा। यह कॉरिडोर लगभग 1100-1200 किलोमीटर की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। साथ ही, शामली को अम्बाला एवं पानीपत से जोड़ा जा रहा है। भविष्य में शामली चारों दिशाओं से एक्सप्रेस-वे तथा हाईवे नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण जंक्शन एवं केन्द्र बनकर उभरेगा।

पर्व और त्योहारों की गरिमा बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री जी ने कांवड़ संघों और श्रद्धालुओं से अनुशासन व धैर्य के साथ शांतिपूर्ण यात्रा संपन्न करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या असामाजिक तत्वों को स्वीकार न किया जाए। सरकार के इन दूरदर्शी प्रयासों और विकासोन्मुख नीतियों से शामली आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक समृद्ध और उन्नत जनपद के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर चुका है।

गाजियाबाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का ग्रोथ इंजन: 868 करोड़ की परियोजनाओं से विकास और सुशासन को मिली नई गति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 जुलाई, 2026 को जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधानसभा क्षेत्रों को 868 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन सरकार के निर्णयों से गाजियाबाद आज सुशासन, स्वच्छता और आधुनिक आधारभूत संरचना के बल पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली के प्रवेश द्वार और ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर चुका है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, चाभी, प्रमाण पत्र, लैपटॉप, स्वीकृति पत्र आदि प्रदान किये। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन, पौधरोपण, महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया।

अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को सुशासन और समृद्धि का मूल आधार बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने एक दशक पूर्व की अराजकता को समाप्त कर सुरक्षित और निवेश अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया। उन्होंने दिल्ली-मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल, 12 लेन के एक्सप्रेस-वे और हिण्डन सिविल टर्मिनल से वायु सेवा की उपलब्धता को कनेक्टिविटी की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिली।

आस्था और विकास के समन्वय को मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रसिद्ध दूधेश्वरनाथ मंदिर तथा पूरा महादेव में भव्य कॉरिडोर के निर्माण और हरनंदीपुरम टाउनशिप जैसी नई आवासीय कॉलोनियों के विकास को गति प्रदान की। उन्होंने देश की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा के सफल और सुरक्षित आयोजन के लिए प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर अनुशासन व मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया, जिससे हरिद्वार तक नवनिर्मित कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गाजियाबाद अपने हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। भगवान दूधेश्वरनाथ का प्रसिद्ध मंदिर यहीं स्थित है। आज गाजियाबाद सुशासन व विकास के मॉडल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। गाजियाबाद में अच्छी सड़कें बनी हैं। गाजियाबाद नगर निगम साफ सुथरा हुआ है। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली-मेरठ के बीच संचालित है। आज मेरठ से दिल्ली के बीच यात्रा का समय कम हुआ है। 03 घण्टे की दूरी मात्र 40 मिनट में तय की जा सकती है। आज गाजियाबाद के हिण्डन में सिविल टर्मिनल बनकर तैयार है। गाजियाबाद के लोगों को हिण्डन में ही वायु सेवा उपलब्ध है। यहां 12 लेन के एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना अथॉरिटी के अंतर्गत देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक सिटी, फिल्म सिटी, अपैरल पार्क, टॉय पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क के निर्माण को सरकार की प्राथमिकता बताया गया। उन्होंने कहा कि इन दूरदर्शी परियोजनाओं और निरंतर निवेश से गाजियाबाद सहित सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक समृद्धि का एक नया अध्याय लिखा गया है।

राष्ट्र निर्माण का मूल आधार हैं सैनिक स्कूल और आत्मअनुशासन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जुलाई, 2026 को जनपद बुलन्दशहर स्थित श्रद्धेय रज्जू भैया सैनिक विद्या मन्दिर के स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्र सेवा, आत्मअनुशासन और पंचप्रण के मंत्र को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि सैनिक स्कूल अनुशासित और संस्कारित वातावरण के माध्यम से देश की रक्षा सेनाओं के लिए भावी सैन्य अधिकारी तैयार करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री जी ने डबल इंजन सरकार की बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण की नीति का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इस सैनिक विद्या मन्दिर में जल्द ही बेटियों के प्रवेश प्रारम्भ करने तथा रज्जू भैया की पूज्य माताजी के नाम पर बालिकाओं के लिए नया छात्रावास स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया। मुखयंत्री जी ने कहा कि आने वाले समय में रज्जू भैया के नाम पर स्थापित इस सैनिक विद्या मन्दिर में बेटियां भी प्रवेश लेंगी। हमारी हार्दिक इच्छा है कि हम लोग यहां बालिकाओं के लिए जो छात्रावास बनाएं, वह रज्जू भैया की माताजी के नाम पर स्थापित हों। उन्होंने देश में सर्वाधिक सैनिक देने वाली बुलन्दशहर की वीर धरा को नमन करते हुए निजी क्षेत्र द्वारा सैनिक स्कूल स्थापित करने की पहल को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के 'पंचप्रण' के संकल्प को दोहराते हुए नागरिकों से गुलामी की मानसिकता त्यागने, विरासत पर गर्व करने, सामाजिक समरसता बनाए रखने, सैनिकों के प्रति आदर भाव रखने और नागरिक कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के ईमानदारी से पालन द्वारा ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव है।

आत्मअनुशासन को प्रगति का मुख्य आधार बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने जापान के पुनर्निर्माण के उदाहरण से प्रेरणा लेने और सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए तत्पर रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्हें विगत दिनों जापान और उसकी टेक्नोलॉजी को देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। यदि आत्मअनुशासन का सही उदाहरण देखना है, तो जापान जाकर देखें। आत्मअनुशासन किसी भी समाज या देश की प्रगति का आधार बनता है। जापान सन् 1945 में पूरी तरह तबाह हो गया था। पहली बार दुनिया में सन् 1945 में परमाणु बम का प्रयोग हुआ था। जापान के दो महत्वपूर्ण शहर परमाणु बम की चपेट में आए, जिससे लाखों लोग मारे गए थे।

आज जापान दुनिया की एक विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में काम कर रहा है। भारत सन् 1947 में स्वतंत्र हुआ। विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने अभिनन्दनीय प्रगति की है। भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। सरकार के इन सतत प्रयासों और सकारात्मक नीतियों के बल पर उत्तर प्रदेश आज शिक्षा, सुशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में देश को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

574 करोड़ की परियोजनाओं से बुलंदशहर के विकास को मिली नई उड़ान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जुलाई, 2026 को जनपद बुलन्दशहर में बुलन्दशहर और सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्रों की 574 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लैपटॉप, प्रतीकात्मक चेक, चाभी, थर्मल प्रिंटर, आयुष्मान कार्ड, छात्रवृत्ति, सब्सिडी, टूलकिट एवं प्रमाण पत्र आदि प्रदान किए।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन, पौध रोपण, महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार, विरासत और विकास के अद्भुत समन्वय के साथ प्रदेश को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया कि आज उत्तर प्रदेश 'बॉटम थ्री' से उठकर देश के 'टॉप थ्री' राज्यों में अपना स्थान बना चुका है। उन्होंने प्रदेश में बन रहे ग्लोबल स्टैंडर्ड के एक्सप्रेस-वे और बेहतरीन सड़कों को विकास और समृद्धि का मुख्य आधार बताया। उनका विज़न था कि इन्फ्रास्ट्रक्चर जितना सुदृढ़ होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही तेजी से बढ़ेगी, जिससे युवाओं के लिए व्यापक स्तर पर रोजगार का सृजन होगा।

बुलंदशहर के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि देश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ अब बुलंदशहर को जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेस-वे को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने अन्नदाता किसानों को बढ़ा हुआ मुआवजा उपलब्ध कराने की बात कही, जिससे क्षेत्र में खुशहाली आए और शहर नए औद्योगिकीकरण के युग में प्रवेश कर सके।

मुख्यमंत्री जी ने बाबू कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज की स्थापना और खुर्जा की क्रॉकरी की वैश्विक पहचान का भी उल्लेख किया। कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2017 से पूर्व का दहशत का वातावरण अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है और आज प्रदेश में बेटियां और व्यापारी पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों और डबल इंजन सरकार के बिना थके किए जा रहे प्रयासों से उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की श्रेणी से पूरी तरह मुक्त हो चुका है।

सुशासन और सुरक्षा से बदल रही सम्भल की तस्वीर तेज गति से हो रहा तीर्थों का विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जुलाई, 2026 को जनपद सम्भल में 569 करोड़ रुपये की 66 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना तभी साकार होगी, जब प्रदेश का प्रत्येक जनपद आत्मनिर्भर बनेगा। सम्भल ने अपनी विरासत और विकास की जो नई यात्रा प्रारम्भ की है, राज्य सरकार उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने सम्भल को भगवान श्री हरि विष्णु की पावन धरा बताते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार यहां के 68 तीर्थों और 19 कूपों का तेजी से पुनरुद्धार कर रही है। विकास को गति देने के लिए सम्भल को 4-लेन व 2-लेन सड़कों और गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़कर शानदार कनेक्टिविटी दी जा रही है। इंटिग्रेटेड कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण से अब एक ही छत के नीचे जनता की सभी समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित हो सकेगा।

जनकल्याणकारी नीतियों पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के 16 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन, 65 लाख गरीबों को पक्का आवास और 10 करोड़ से अधिक पात्रों को आयुष्मान योजना का सीधा लाभ मिल रहा है। किसानों के हित में निर्णय लेते हुए सम्भल के प्राकृतिक मेंथा उत्पादक किसानों को भी विशेष राहत दी गई है। सुशासन के कारण अब योजनाओं की शत-प्रतिशत राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंच रही है।

सुरक्षा को सुशासन और निवेश की सबसे बड़ी आधारशिला बताते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि आज उत्तर प्रदेश पूरी तरह से दंगा और कर्फ्यू मुक्त है। सुरक्षित माहौल से आ रहे भारी निवेश के कारण सम्भल के युवा भी रोजगार पाकर पुलिस व प्रशासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न लाभार्थियों को चेक व आवास की चाभियां वितरित कीं तथा बच्चों का अन्नप्राशन व महिलाओं की गोदभराई की रस्म भी पूरी की।

विकास और सुशासन से नई ऊंचाइयां छू रहा अमरोहा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 18 जुलाई, 2026 को जनपद अमरोहा में 207 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 43 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस अवसर पर जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास को विरासत के साथ जोड़कर समाज के हर तबके का उत्थान सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अमरोहा ने 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत अपने ढोलक और हस्तशिल्प से वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि गंगा नदी को चैनलाइज करते हुए यहाँ के पौराणिक तिगरी और गढ़ मेले को कुम्भ मेले की तर्ज पर भव्य रूप से विकसित और आयोजित किया जाए।

आधारभूत संरचना और किसानों के हितों पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे से अमरोहा की कनेक्टिविटी शानदार हुई है, जिससे यहाँ के आम उत्पादकों और किसानों की पहुँच अंतरराष्ट्रीय बाजार तक आसान हो गई है। वर्तमान सरकार ने प्रदेश में गन्ना किसानों को 400 रुपये प्रति कुन्तल का भाव देकर अब तक 3.23 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक भुगतान किया है।

सुरक्षा व्यवस्था की चर्चा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि आज उत्तर प्रदेश पूरी तरह दंगामुक्त है, जहाँ बेटियां और व्यापारी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। अब प्रदेश में आस्था का पूरा सम्मान होता है और कांवड़ यात्रा व रामनवमी जैसे पर्व बिना किसी रोकटोक के भव्यता से मनाए जा रहे हैं। इसी सुशासन से प्रदेश में निवेश और युवाओं के लिए रोजगार आ रहा है।

जनकल्याणकारी नीतियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का लाभ बिना भेदभाव सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है। सरकार ने शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के लिए बड़ी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना तथा किसानों के लिए 5 लाख रुपये की दुर्घटना कल्याण योजना लागू कर अपनी जनहितैषी और संवेदनशील सोच को धरातल पर उतारा है।

सतर्कता और अत्याधुनिक तकनीक से आपदा प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 19 जुलाई, 2026 को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यूपी एसडीएमए) के 200 करोड़ रुपये की लागत से बने नवनिर्मित अत्याधुनिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति हमारी सतर्कता, पूर्व तैयारी और जागरूकता से ही जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूली पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने मानव-वन्यजीव द्वन्द्व, बाढ़ और आकाशीय बिजली जैसी घटनाओं से निपटने के लिए प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स आधारित 'अर्ली वॉर्निंग सिस्टम', मोबाइल अलर्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन तकनीक के व्यापक उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने सहारनपुर की हालिया घटना का उदाहरण देते हुए बताया कि प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और सटीक अलर्ट से हजारों श्रद्धालुओं की जान बचाई जा सकी।

राहत कार्यों को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की कि प्रदेश में चल रही 45,000 होमगार्ड्स की भर्ती में प्रशिक्षित 'आपदा मित्रों' को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, सभी होमगार्ड्स को आपदा राहत की अनिवार्य ट्रेनिंग भी दी जाएगी। जनसेवा कर रहे इन स्वयंसेवकों को सरकार 5 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा दे रही है तथा किसी अनहोनी पर उनके परिजनों को लगभग 40 से 45 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवानों को सम्मानित किया और प्राधिकरण की नई वेबसाइट का शुभारम्भ किया। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि प्रदेश में आपदा प्रबन्धन के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है, संकट की हर घड़ी में डबल इंजन की सरकार पूरी मजबूती से नागरिकों के साथ खड़ी है।

बाराबंकी को 542 करोड़ की सौगात, टॉप-3 अर्थव्यवस्था की ओर यूपी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 20 जुलाई, 2026 को जनपद बाराबंकी में 542 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 82 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र को धरातल पर उतारते हुए आज उत्तर प्रदेश देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हब बन चुका है, जहां सुशासन और सुरक्षा के कारण भारी निवेश आ रहा है और युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने बाराबंकी की पौराणिक विरासत को नमन करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि भगवान लोधेश्वर महादेव मन्दिर के सामने की सड़क को तत्काल टू-लेन से फोर-लेन में परिवर्तित किया जाए और मन्दिर के मुख्य द्वार को अत्यंत भव्य बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर 100 करोड़ रुपये की लागत से यहां भव्य लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा, बाराबंकी को 'स्टेट कैपिटल रीजन' का भी पूरा लाभ मिलेगा।

सनातन धर्म और महापुरुषों के सम्मान पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सनातन सुरक्षित है, तभी हम सब सुरक्षित हैं। उन्होंने प्रख्यात हॉकी खिलाड़ी के.डी. सिंह 'बाबू' को याद करते हुए घोषणा की कि उनकी ऐतिहासिक हवेली को बिकने नहीं दिया जाएगा, बल्कि सरकार धनराशि चुकाकर वहां एक प्रेरणादायक म्यूजियम का निर्माण करेगी।

जनकल्याणकारी नीतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज बिना किसी भेदभाव के हर गरीब, किसान और युवा को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। निराश्रितों को पेंशन, बेटियों को कन्या सुमंगला योजना और युवाओं को स्मार्टफोन देकर डबल इंजन की सरकार समग्र और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

उद्योग, निवेश और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है बहराइच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जुलाई, 2026 को जनपद बहराइच में 352 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 70 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में बहराइच सहित सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश तीव्र प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण प्रदेश में व्यापक निवेश आ रहा है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बहराइच अब आकांक्षी (एस्पिरेशनल) से प्रेरणादायी (इंस्पिरेशनल) जनपद बन गया है। डबल इंजन की सरकार ने विदेशी आक्रान्ताओं को महिमामंडित करने की पिछली सरकारों की परम्परा को खत्म कर महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक और उनके नाम पर मेडिकल कॉलेज बनाकर विरासत का सच्चा सम्मान किया है। आधारभूत ढांचे को मजबूत करते हुए 7,000 करोड़ रुपये की लागत से 102 किमी लम्बे बाराबंकी-बहराइच 4-लेन कॉरिडोर और बाढ़ बचाव की 22 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा, रुपईडीहा सीमा पर एक बड़ा इण्डस्ट्रियल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर भी विकसित किया जा रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के 16 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन और 11 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा दे रही है। महिला स्वावलंबन और बालिका शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का उन्नयन किया जा रहा है। साथ ही, विस्थापित दलित-वंचित परिवारों के लिए नई कॉलोनी का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

बरसात के मौसम में वन्यजीवों से होने वाली जनहानि पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को तत्काल पेट्रोलिंग बढ़ाने, संवेदनशील इलाकों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करने और पब्लिक एड्रेस सिस्टम से जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे लिए जैव विविधता महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रदेश के नागरिकों का अमूल्य जीवन सर्वोपरि है।

कनेक्टिविटी और सुशासन से बदल रही श्रावस्ती की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 21 जुलाई, 2026 को जनपद श्रावस्ती में 396 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 83 महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध, जैन तीर्थंकरों और महाराजा सुहेलदेव के शौर्य की यह पावन धरा अब 'आकांक्षी' (एस्पिरेशनल) से 'प्रेरणादायी' (इंस्पिरेशनल) जनपद बनकर देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने आधारभूत संरचना के विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि 75 वर्षों तक रेलवे लाइन से वंचित रहे इस जनपद में अब नई रेल कनेक्टिविटी, एयरपोर्ट का विस्तार और 4-लेन सड़कों का जाल बिछ रहा है। उन्होंने बताया कि श्रावस्ती को बलरामपुर और गोण्डा के रास्ते अयोध्या तक 4-लेन कॉरिडोर से जोड़ने की तैयारी तेजी से चल रही है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि स्वाधीन भारत में विदेशी आक्रान्ताओं का कोई स्थान नहीं है, डबल इंजन की सरकार विरासत का सम्मान करते हुए केवल अपने महापुरुषों की परम्परा को ही आगे बढ़ाएगी।

सुशासन और सुरक्षा पर अपना सख्त रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए सिर्फ जेल या जहन्नुम में ही जगह है। आज प्रदेश मच्छर और माफिया के आतंक से मुक्त हो चुका है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज बिना किसी भेदभाव के पारदर्शी तरीके से युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, आवास और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं। इन्हीं जनहितैषी नीतियों का परिणाम है कि श्रावस्ती का एक विकास खण्ड देश के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में प्रथम स्थान पर आया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 21 जुलाई, 2026 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने विन्ध्य एक्सप्रेस-वे (विकल्प-3) (ग्रीन फील्ड) 06 लेन (विस्तारणीय 08 लेन) के संरेखण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। यह एक्सप्रेस-वे जूदापुर दांडू, जनपद प्रयागराज से प्रारम्भ होकर जनपद सोनभद्र में पिपरखण्ड बभवरी (छत्तीसगढ़ बॉर्डर तक) पर समाप्त होगा। परियोजना के सम्पर्क जनपदों में प्रयागराज, भदोही, मिर्जापुर तथा सोनभद्र सम्मिलित हैं।

- मंत्रिपरिषद ने विन्ध्य पूर्वांचल स्पर लिंक एक्सप्रेस-वे (विकल्प-1) (ग्रीन फील्ड) 06 लेन (विस्तारणीय 08 लेन) के संरेखण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। यह एक्सप्रेस-वे ग्राम पखनपुरा जनपद गाजीपुर से प्रारम्भ होकर जनपद मिर्जापुर में रानीपुर चुनार पर समाप्त होगा। परियोजना के सम्पर्क जनपदों में गाजीपुर, चन्दौली तथा मिर्जापुर सम्मिलित हैं।

- मंत्रिपरिषद ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक लिंक एक्सप्रेस-वे तथा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से गंगा एक्सप्रेस-वे तक लिंक एक्सप्रेस-वे वाया फर्रुखाबाद परियोजनाओं के विकासकर्ता के चयन सम्बन्धी तैयार किये गये संशोधित एवं अन्तिमीकृत 'रिक्वेस्ट फॉर प्रोपोजल' (आर0एफ0पी0) बिड अभिलेखों को अनुमोदित किया है।

- मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना के अन्तर्गत जनपद वाराणसी में राज्य द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित उच्च गुणवत्तापूर्ण 500 की क्षमता के महिला छात्रावास के निर्माण हेतु हरिजन इण्डस्ट्रियल गवर्नमेन्ट, उ0प्र0 सरकार के नाम दर्ज 6,000 वर्ग मीटर भूमि निःशुल्क महिला कल्याण विभाग के पक्ष में हस्तांतरित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही, यह निर्णय भी लिया है कि भविष्य में प्रस्तुत प्रस्ताव के सम्बन्ध में कोई भी परिवर्तन मुख्यमंत्री जी के अधीन होगा।

- मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के संचालन हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक में प्राविधानित 20 करोड़ रुपये की धनराशि ब्याज रहित ऋण के रूप में स्वीकृत किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। यह भी निर्णय लिया है कि उक्त ऋण अदायगी की अवधि 15 वर्ष होगी। इसमें 05 वर्ष के मोरेटोरियम की अवधि तथा उसके उपरान्त अगले 10 वर्षों में 02 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष की किस्त के रूप में ऋण की अदायगी की जाएगी।

- मंत्रिपरिषद ने वसन्त महिला महाविद्यालय, राजघाट फोर्ट, वाराणसी में अध्ययनरत छात्राओं हेतु एक नए छात्रावास भवन का निर्माण नियोजन विभाग द्वारा संचालित त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

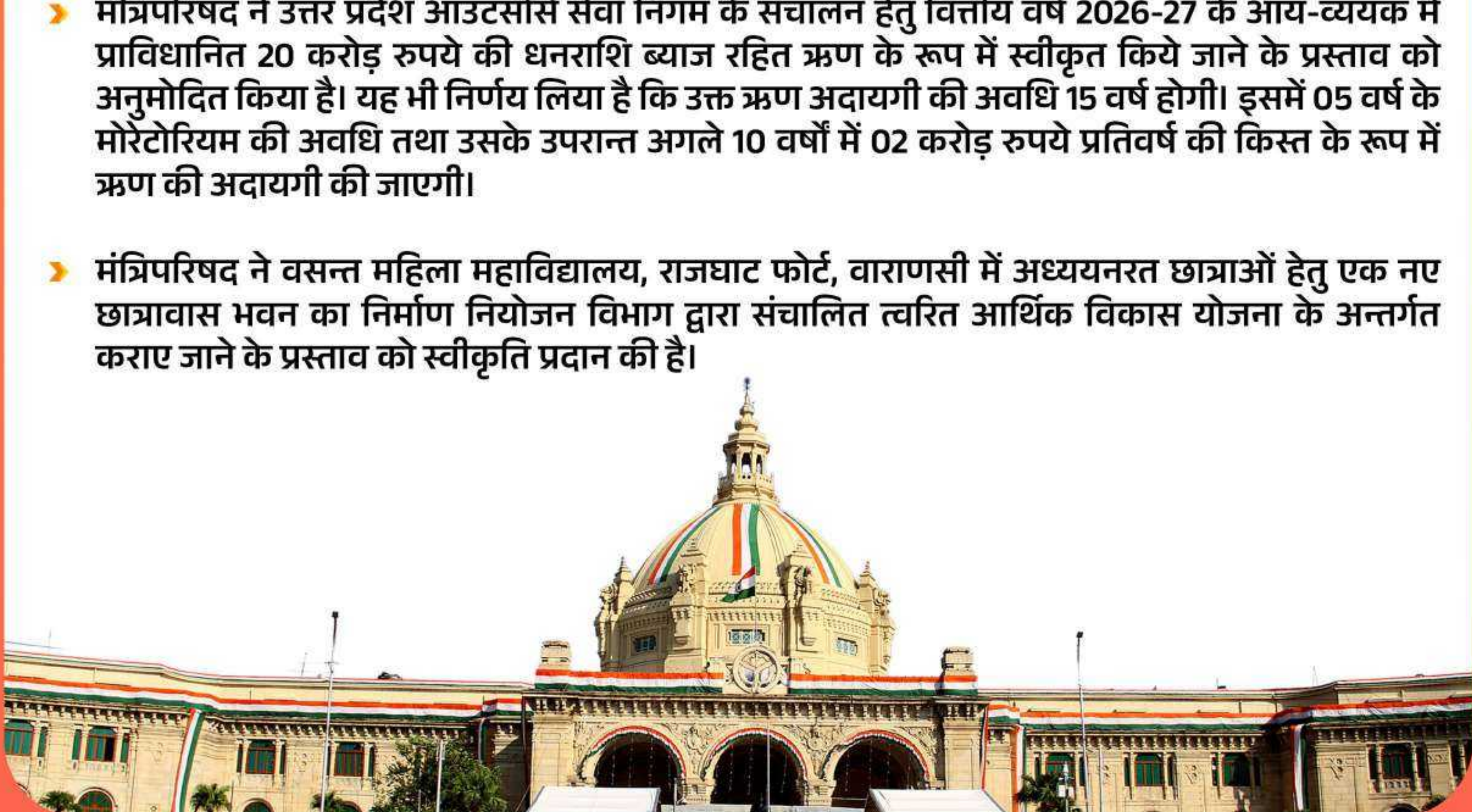

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 21 जुलाई, 2026 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बस बेड़े के सुदृढ़ीकरण हेतु नई इलेक्ट्रिक बसों के क्रय किये जाने हेतु प्राविधानित 400 करोड़ रुपये के व्यय के लिए नीति निर्धारण के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। प्रस्ताव में उत्तर प्रदेश के मैन्युफैक्चरर्स को वरीयता दिए जाने की व्यवस्था है।

- मंत्रिपरिषद ने 'उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परम्परा संवर्धन शोधपीठ की स्थापना' योजना के क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देशों को अनुमोदन प्रदान किया है।

- मंत्रिपरिषद ने 'रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना' के क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश अनुमोदित किये हैं। दिशा-निर्देशों में किसी बिन्दु पर परिवर्तन एवं परिवर्धन हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया है।

- मंत्रिपरिषद ने राज्य विधान मण्डल के दोनों सदनों के आगामी सत्र 03 अगस्त, 2026 (सोमवार) को आहूत किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

- मंत्रिपरिषद ने अग्निशमन तथा आपात सेवा के उपयोगार्थ 44 वॉटर टेण्डर (क्षमता 2500 ली0) तथा 05 फोम टेण्डर (क्षमता 5000$500 ली0) का क्रय/निर्माण किये जाने तथा इसके लिए कुल 25 करोड़ 78 लाख 85 हजार रुपये धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।